HIN2A01b-thème 11
Corrigé-type

Extrait de *Pauvres en droits*, Irène KHAN, traduit de l'anglais par Alexandre Pataud, Max Milo Editions, Collection Essais-Documents / Amnesty International, Paris, 2010, chapitre II : Pour un monde sans discriminations, abolissons l'exclusion, pp 65-66

"(मेरे) पिता[जी]/बाप/अब्बा[जान]/अब्बू/वालिद ने मुझे/मुझको समझाया/बताया कि दुकानवाला//स्टॉल/दुकान का मालिक हमें/हमको खाना प्लेट/थाली में **(इसलिए)** नहीं दे सकता (था) क्योंकि/नहीं तो (sinon) (अगर उसने ऐसा किया तो) **(कि)** बाद में/आगे कोई इस पर हाथ लगाना/इसे छूना स्वीकार नहीं करेगा/नहीं चाहेगा। मैं उसी दिन पहली बार समझ गया/मुझे उसी दिन पहली बार समझ (में) आया कि दलित यानी अछूत होना क्या मतलब रखता है//मैंने उसी दिन पहली बार महसूस किया/मुझे उसी दिन पहली बार एहसास हुआ कि दलित यानी अछूत होने (की अवस्था) में निहित क्या है! मैंने अपना जीवन/अपनी ज़िन्दगी बदलने का सुदृढ़ निर्णय किया/मैंने पक्का फ़ैसला किया कि मैं अपनी ज़िन्दगी को बदलूँगा और शिक्षा (instruction) प्राप्त करने का अवसर लेने के लिए/शिक्षण पाने के लिए कड़ी मेहनत की। मैं एक मुफ़्त/नि:शुल्क स्कूल में पढ़ा जो एक कैथलिक पादरी द्वारा चलाया जाता था/जिसे एक कैथलिक पादरी चलाते थे/चलाया करते थे। मैं अपने समाज/समुदाय का पहला सदस्य/आदमी/इनसान/शख़्स हूँ जिसने उच्च शिक्षा (की एक डिगरी) प्राप्त की है/हासिल की है//अपने समुदाय में उच्च शिक्षा प्राप्त करनेवाला पहला व्यक्ति हूँ लेकिन (कोई/एक) समुचित/इज़्ज़तवाला काम/नौकरी मिलना मेरे लिए असंभव/नामुमकिन है/रहा//मुमकिन नहीं है। जब किसी मालिक को पता चल जाता है कि मैं दलित हूँ/दलित समुदाय से हूँ तो वह मुझ से कह देता है कि कोई भी मेरे पास बैठना स्वीकार नहीं करेगा//यह जानने पर कि मैं दलित हूँ हर नौकरी/काम देनेवाला मुझसे कहता है कि कोई भी मेरी बग़ल में बैठने के लिए राज़ी नहीं होगा। मैं आज(कल) नगरपालिका के लिए सफ़ाईकर्मी की हैसियत से काम करता हूँ। यह एकमात्र/वही अकेली नौकरी है जिसे मैं हासिल करने में कामयाब/सफल हुआ//जो मुझे मिल सकी/पाई//मुझे सिर्फ़ वही काम मिल सका।"

यह बयान मुझे रंजीत (ही) ने दिया//यह विवरण/साक्ष्य मैंने रंजीत के मुँह से सुना जो ढाका शहर/नगर की सफ़ाईकर्मियों की यूनियन/के सफ़ाईकर्मियों के (श्रमिक)संघ के एक अगुआ/नेता हैं। वे उन कार्यकर्ताओं में एक थे जिनको "एम्नस्टी इंटर्नैशनल" और "मनुषेर जोन्नो" वाले बंगलादेशी ग़ैर-सरकारी संगठन/एन-जी-ओ-द्वारा/के अंतर्गत (sous l'égide de) आयोजित की जानेवाली मानवसम्मान एवं मानवाधिकारों से संबंधित संगोष्ठी में//आयोजित किए जाने वाले मानवसम्मान तथा मानवाधिकारों से जुड़े/पर केंद्रित सेमिनार में बुलाया गया था/आमंत्रित किया गया था।